>

Title: Issue regarding increase of height of Narmada dam.

श्री महेन्द्रसिंह पी. चौहाण (साबरकांठा): उपाध्यक्ष महोदय, आपने मुझे गुजरात राज्य स्थित नर्मदा बाँध की ऊँचाई बढ़ाने जैसे अति लोक महत्व के मुद्दे को उठाने की इजाज़त प्रदान की, इसके लिए मैं आपको धन्यवाद देता हूँ।

महोदय, आप जानते हैं कि गुजरात राज्य बार-बार सूखे से प्रभावित होता रहता है। इसके कारण कई क्षेत्रों में पीने का पानी भी उपलब्ध नहीं होता है। इस समस्या के निवारण हेतु हमारे पूर्व प्रधान मंत्री आदरणीय श्री जवाहरलाल नेहरू जी ने नर्मदा नदी पर बाँध बनाने हेतु पहला पत्थर 45 साल पहले रखा था।

लेकिन इतने साल बाद भी सरदार सरोवर योजना पूर्ण नहीं हुई है, जो हमारे लिए जीवन-रेखा है। नर्मदा बांध की ऊंचाई पूर्ण न होने के कारण इसका पूरा लाभ नहीं मिल रहा है। बांध की अंतिम ऊंचाई की सीमा जो कि 138.68 मीटर तय की गई है, जिसे अभी भी बढ़ाया जाना बाकी है, वर्ष 2006 में 121.92 मीटर की ऊंचाई तक बढ़ाने की अनुमति मिली थी तथा अभी भी 17 मीटर की अनुमति मिलना शेष है।

महोदय, नर्मदा बांध की ऊंचाई पूर्ण होने से देश को बहुत लाभ होगा। जैसे कि बांध की जल संरक्षण क्षमता 46.8 लाख एकड़ फीट तक बढ़ जाएगी जो वर्तमान जल संग्रह क्षमता से तीन गुना ज्यादा होगी और इससे 6.8 लाख हेक्टेयर अतिरिक्त जमीन की सिंचाई की सुविधा होगी तथा साथ में चालीस प्रतिशत अधिक विद्युत उत्पादन भी होगा और इससे बिजली की कमी से गुजर रहे देश को काफी लाभ मिलेगा। इससे पेयजल की कमी को भी दूर किया जा सकेगा तथा अकाल के समय भी लाभ मिलेगा।

उपाध्यक्ष महोदय, वर्ष 2010 अप्रैल में इन्वायरमेंटल सब-ग्रुप आफ एनसीए की मीटिंग में बांध की ऊंचाई बढ़ाने की सिफारिश की गई थी। हालांकि इस संदर्भ में सोशल जस्टिस एंड एम्पावरमेंट मिनिस्टरी भारत सरकार के सब-ग्रुप की अनुमति मिलना शेष है, जिसके तहत बांध की अधिकतम ऊंचाई बढ़ाने की अनुमति मिल सकती है। जहां तक पुनर्वास व्यवस्था का सवाल है, इस संबंध में गुजरात और मध्यप्रदेश सरकार ने अपना काम पूरा कर दिया है। इन राज्य सरकारों ने अपनी एक्शन टेकन रिपोर्ट भी सब्मिट कर दी है तथा ग्रीवेंस रिड्रसल एथोरिटी के साथ परामर्श करके अपनी रिपोर्ट भी दे दी है तथा नर्मदा बांध के अंतिम काम को पूर्ण कराने की मांग की है।

महोदय, भारत सरकार ने भी अपनी आर एंड आर, पीएफ तथापि एक्शन टेकन रिपोर्ट ग्रीवेंस रिड्रसल एथोरिटी को प्रस्तुत कर दी है। जीआरए के साथ परामर्श प्रक्रिया का पूर्ण होना अभी शेष है। मैं आपके माध्यम से सरकार से मांग करता हूं कि वह जल्दी से जीआरए महाराष्ट्र की परामर्श रिपोर्ट मंगाकर तथा आर एंड आर सब ग्रुप आफ एनसीए की बैठक बुलाकर सरदार सरोवर बांध की ऊंचाई बढ़ाने हेतु तत्काल आवश्यक कार्रवाई करे।